भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. †14

उत्तर देने की तारीख 29.11.2021

जनजातीय शिक्षा और संस्कृति का संरक्षण

†14. श्री गजेंद्र उमराव सिंह पटेल:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या जनजातीय शिक्षा और संस्कृति के संरक्षण हेतु कोई विशेष योजनाएं चलाई जा रही है;
(ख) क्या जनजातीय संस्कृति के संरक्षण हेतु कोई विशेष केंद्र बनाए जाएंगे; और
(ग) उन स्थानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है जहां जनजातीय संस्कृतियों से संबंधित ये केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) जी हां। जनजातीय कार्य मंत्रालय जनजातीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए "एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस)" और "संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत अनुदान" की योजनाओं का प्रशासन कर रहा है। कुल 740 ईएमआरएस स्कूल प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक ब्लॉक में 20000 या उससे अधिक की अनुसूचित जनजाति की आबादी और 50% जनजातीय व्यक्तियों के साथ एक है। ये स्कूल जनजातीय छात्रों को उनके अपने वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अलावा स्थानीय कला और संस्कृति के संरक्षण, खेल में प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करेंगे। इसके अलावा "जनजातीय अनुसंधान संस्थान को समर्थन" और "जनजातीय उत्सव, अनुसंधान, सूचना और जन शिक्षा" की योजनाओं के तहत जनजातीय संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यकलापों का विवरण नीचे दिया गया है:

(i) समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार पर श्रव्य-दृश्य वृत्तचित्रों सहित अनुसंधान अध्ययन/पुस्तकों/प्रलेखन का प्रकाशन। इन स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण मंत्रालय की वेबसाइट (tribal.gov.in) पर देखा जा सकता है।

(ii) जनजातीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

(iii) जनजातीय चिकित्सकों और औषधीय पौधों, जनजातीय भाषाओं, कृषि प्रणाली, नृत्य और चित्रकला आदि द्वारा स्वदेशी प्रथाओं का अनुसंधान और प्रलेखन।

(iv) जनजातीय लोगों के वीरता और देशभक्ति के कार्यों को मान्यता देने के लिए मंत्रालय ने 10 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय स्थापित करने की मंजूरी दी है। ये संग्रहालय क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित करेंगे।

(v) समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए और दूसरों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए, एक खोज योग्य डिजिटल भंडार जैसे जनजातीय डिजिटल दस्तावेज़ भंडार (https://repository.tribal.gov.in/) और जनजातीय भंडार (https://tribal.nic.in/repository/) विकसित किया गया है जहां सभी शोध पत्र, किताबें, रिपोर्ट और दस्तावेज, लोग उनके मेटाडेटा के साथ गाने, फोटो/वीडियो अपलोड किए जाते हैं। जनजातीय भंडार में वर्तमान में 10,000 से अधिक तस्वीरें, वीडियो और प्रकाशन हैं जो ज्यादातर टीआरआई द्वारा किए जाते हैं।

(vi) जनजातीय भाषाओं के संरक्षण के लिए द्विभाषी प्राइमरों का विकास और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के बीच शिक्षण उपलब्धि के स्तर में वृद्धि। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कई भाषा प्राइमर विकसित किए गए हैं।

(vii) मंत्रालय आदि महोत्सव त्योहार के आयोजन के लिए ट्राइफेड को निधि प्रदान करता है। राज्य स्तर के त्योहार जैसे नागालैंड के हॉर्नबिल त्योहार, मिजोरम के पावल-कुट त्योहार, तेलंगाना के मेदाराम जात्रा को टीआरआई के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जनजातीय शिल्प मेलों, चित्रकला प्रतियोगिताओं और उत्सवों का आयोजन किया जा रहा है। विवरण आदि-प्रसारण पोर्टल (https://adiprasaran.tribal.gov.in/) पर देखा जा सकता है।

(ख) तथा (ग) एक विशेषज्ञ समूह (थिंक टैंक) के रूप में कार्य करने और जनजातीय समुदायों पर सूचना का भंडार बनने के उद्देश्य से देश भर में 27 जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) स्थापित किए गए हैं। राज्य-वार टीआरआई का विवरण संलग्न है।

<u>अनुलग्नक</u>

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्यक्षेत्र	स्थान
1	अण्डमान और निकोबार	पोर्ट ब्लेयर
2	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम
3	अरुणाचल प्रदेश	नाहरलगुन
4	असम	गुवाहाटी
5	छत्तीसगढ़	रायपुर
6	गुजरात	अहमदाबाद
7	हिमाचल प्रदेश	शिमला
8	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर
9	झारखंड	रांची
10	कर्नाटक	मैसूर
11	केरल	कोझिकोड
12	मध्य प्रदेश	भोपाल
13	महाराष्ट्र	पुणे
14	मणिपुर	इंफाल
15	मिजोरम	आइजोल
16	नागालैंड	कोहिमा
17	ओडिश	भुवनेश्वर
18	राजस्थान	उदयपुर
19	सिक्किम	गंगटोक
20	तमिलनाडु	नीलगिरि
21	तेलंगाना	हैदराबाद
22	त्रिपुरा	पश्चिम त्रिपुरा
23	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
24	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
25	मेघालय	वेस्ट गारो हिल्स
26	उत्तराखंड	देहरादून
27	गोवा	दक्षिण गोवा (प्रस्तावित)

****